FULL STOP - 33

अव्यक्त बापदादा (18.04.1982) **:-**

➳ _ ➳ प्रश्नः- संगमयुगी ब्राह्मण बच्चों को **किस कर्तव्य में सदा तत्पर** रहना चाहिए ?

➳ _ ➳ उत्तरः- समर्थ बनना है और दूसरों को भी समर्थ बनाना है, इसी कर्त्तव्य में सदा तत्पर रहो। क्योंकि व्यर्थ तो आधा कल्प किया, अब समय ही है समर्थ बनने और बनाने का। इसलिए व्यर्थ संकल्प, व्यर्थ बोल, व्यर्थ कर्म सब समाप्त, फुल स्टाप। पुराना चोपड़ा खत्म। **जमा करने का साधन ही है - सदा समर्थ रहना। क्योंकि व्यर्थ से समय, शक्तियाँ और ज्ञान का नुकसान हो जाता है।**

➢➢ तीन प्रकार के बल

➳ _ ➳ बाहुबल

→ शारीरिक बल

➳ _ ➳ बुधी बल

→ Intelligent

➳ _ ➳ योग बल

→ आत्म बल , परमात्म बल

- Spiritual Power

➢➢ आध्यात्मिक रूप से समर्थ / शक्तिशाली बनने के लिए किन किन बातों की आवश्यकता है ?

➳ _ ➳ शक्तिशाली स्मृति

→ शक्तियां तो हमारे अन्दर हैं

- पर शक्तियों की विस्मृति हो गयी है

➳ _ ➳ शक्तिशाली संकल्प

→ स्वमान का अभ्यास

➳ _ ➳ शक्तिशाली चिंतन

→ हमें ज्ञान शक्तिशाली नहीं बनाता

- ज्ञान का चिंतन शक्तिशाली बनाता है

→ अशरीरी अवस्था में चिंतन करें

→ Creativity लेकर आयें

➳ _ ➳ शक्तिशाली वैराग

→ तुम वन्वाह में हो

➳ _ ➳ शक्तिशाली तपस्या

→ योग की अथाह गहराई का अनुभव

➳ _ ➳ शक्तिशाली मौन

➳ _ ➳ शक्तिशाली एकांत

➳ _ ➳ शक्तिशाली अंतर्मुखता

➳ _ ➳ शक्तिशाली पवित्रता

→ कर्मेन्द्रिय जीत बनना है

- जीवन में संयम लाना है
- मुख्य रूप से आँख और जीभ को कण्ट्रोल करना है

→ अखंडित ब्रह्मचर्य

- बोल और दृष्टि में भी अखंडित ब्रह्मचर्य हो

➳ _ ➳ अकेले चलने की हिम्मत

→ अगर आपको लगता है की कोई आपका अपना है... तो यह आपका भ्रम है...